

जेसिका के लिए एक मूस

पैट ए. वेकफील्ड और लैरी कैरारा

जेसिका के लिए एक मूस



पैट ए. वेकफील्ड और लैरी कैरारा
तस्वीरें: लैरी कैरारा, हिंदी: प्रमोदजी

शॉना और एडम
पी.ए.डब्ल्यू.

बेनी और एलिजाबेथ
कैरारा एल.सी.



इस घटनाक्रम की शुरुआत आइक नाम के कुत्ते के भौंकने से हुई।

लैरी कैरारा और उनकी पत्नी लीला उस शनिवार की सुबह नाश्ता कर रहे थे, तभी आइक ने बाहर भयानक शोर मचाना शुरू कर दिया। गायें भी रंभाने लगीं।

लीला ने पूछा, "आखिर हो क्या रहा है?" लैरी ने माफ़ी मांगी और देखने चला गया।

वह सामने के बरामदे में खड़ा होकर अक्टूबर के अंत में ग्रामीण इलाकों को निहार रहा था। उसका फार्म, जिसे कैरारा माउंटेन कहा जाता है, श्रूज़बरी, वर्मोंट की पहाड़ियों में ऊँचा है।

मुख्य सड़क उसकी संपत्ति से होकर गुजरती है, पुराने औपनिवेशिक फार्महाउस से केवल पंद्रह फीट की दूरी पर। सड़क के उस पार, उसकी तीन गायें लगभग बीस एकड़ घने जंगल से घिरे एक चरागाह में चर रही थीं। वहाँ सब कुछ ठीक लग रहा था।

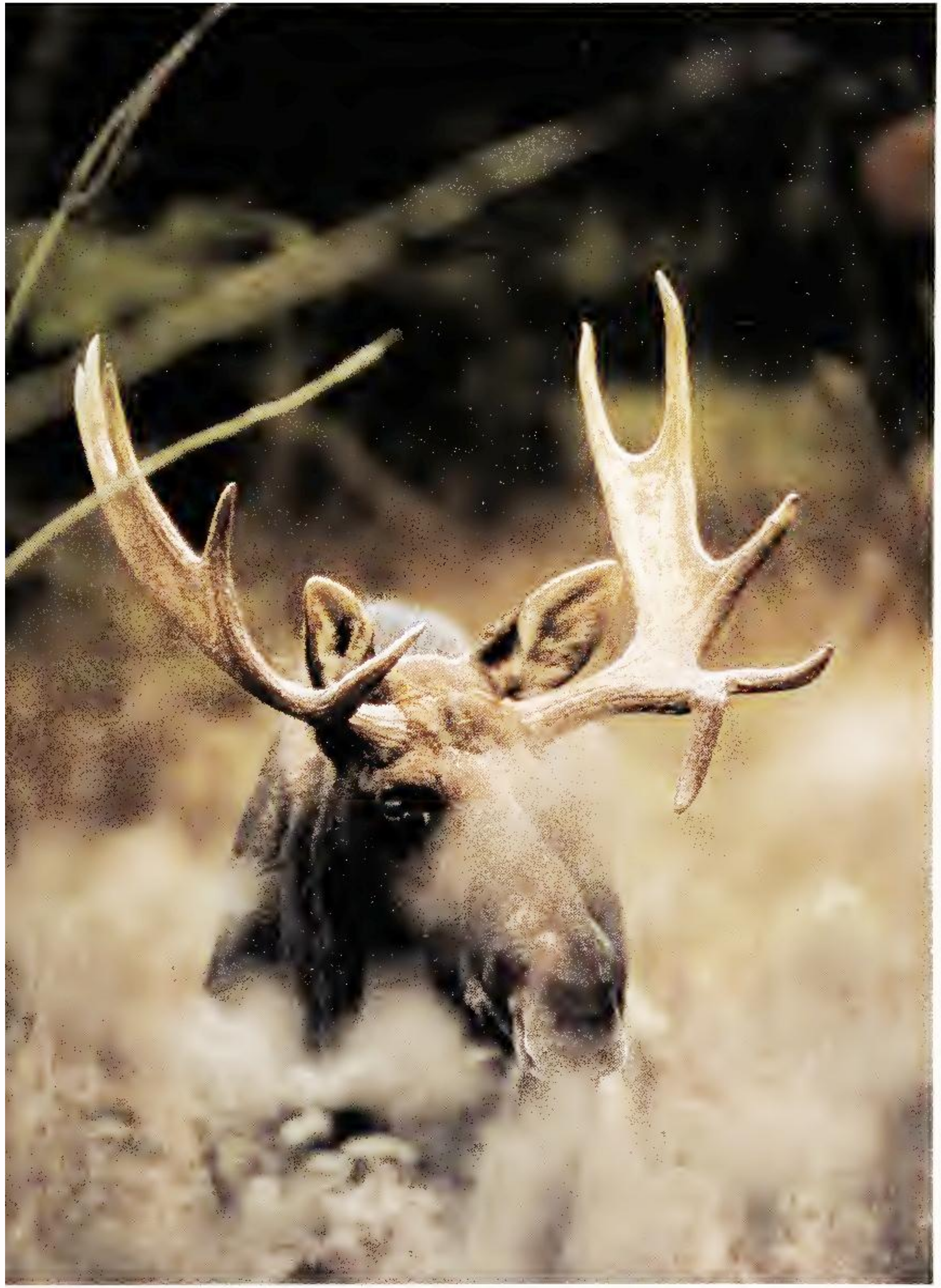
उसने अपने घर के बगल वाले चरागाह में मवेशियों पर नज़र डाली। वहाँ भी कुछ अजीब नहीं था। लैरी वापस अंदर चला गया। हालाँकि, गरजना, रंभाना और भौंकना फिर से शुरू हो गया, इसलिए वह फिर से उठ खड़ा हुआ। अब सड़क के उस पार गायें ज़ोर-ज़ोर से रंभा रही थीं, जंगल की ओर देख रही थीं। लैरी ने चरागाह के दूर किनारे पर पेड़ों के समूह से कुछ देखा परन्तु साफ साफ दिखाई नहीं पड़ रहा था। दूसरी बार उसने कुछ देखा—जंगल के किनारे की छोटी झाड़ियों में।

"क्या...?

पेड़ों की शाखाएँ रडार एंटेना की तरह घूम रही हैं," उसने मन ही मन कहा। कुछ सेकंड बाद, उसे माजरा समझ आ गया। सींग।

पहले तो उसने सोचा कि झाड़ियों में कोई हिरण है। लेकिन जब सींग निकले और लैरी ने उसके पीछे आए शरीर का आकार देखा, तो उसे कुछ और ही पता चला।

उसने लीला को आवाज़ दी, "जल्दी! बाहर आओ! तुम यकीन नहीं करोगी। हमारी ज़मीन पर एक मूस है। जल्दी करो, इससे पहले कि वह भाग जाए!" लीला ने कभी मूस नहीं देखा था। ज़्यादातर लोगों ने कभी मूस नहीं देखा—यहाँ तक कि वर्मोंट के पहाड़ों में रहने वाले लोगों ने भी नहीं। मूस जंगली और एकाकी होते हैं, और आमतौर पर घने जंगलों में रहते हैं। इसलिए लीला बहुत उत्साहित थी और लैरी के पास दौड़ी चली आई ।



लैरी सड़क पार कर उसे करीब से देखने के लिए आ गया। मूस का आकार और रंग उसे प्रभावी ढंग से छिपा रहे थे। उसके पतले, चाँदी जैसे पैर पेड़ों के तनों और झाड़ियों में घुल-मिल गए थे, और उसका भूरा-काला शरीर पेड़ों के पीछे की अंधेरी परछाइयों में खो गया था। उसके काँटेदार सींगों को आसानी से शाखाओं का भ्रम हो सकता था।

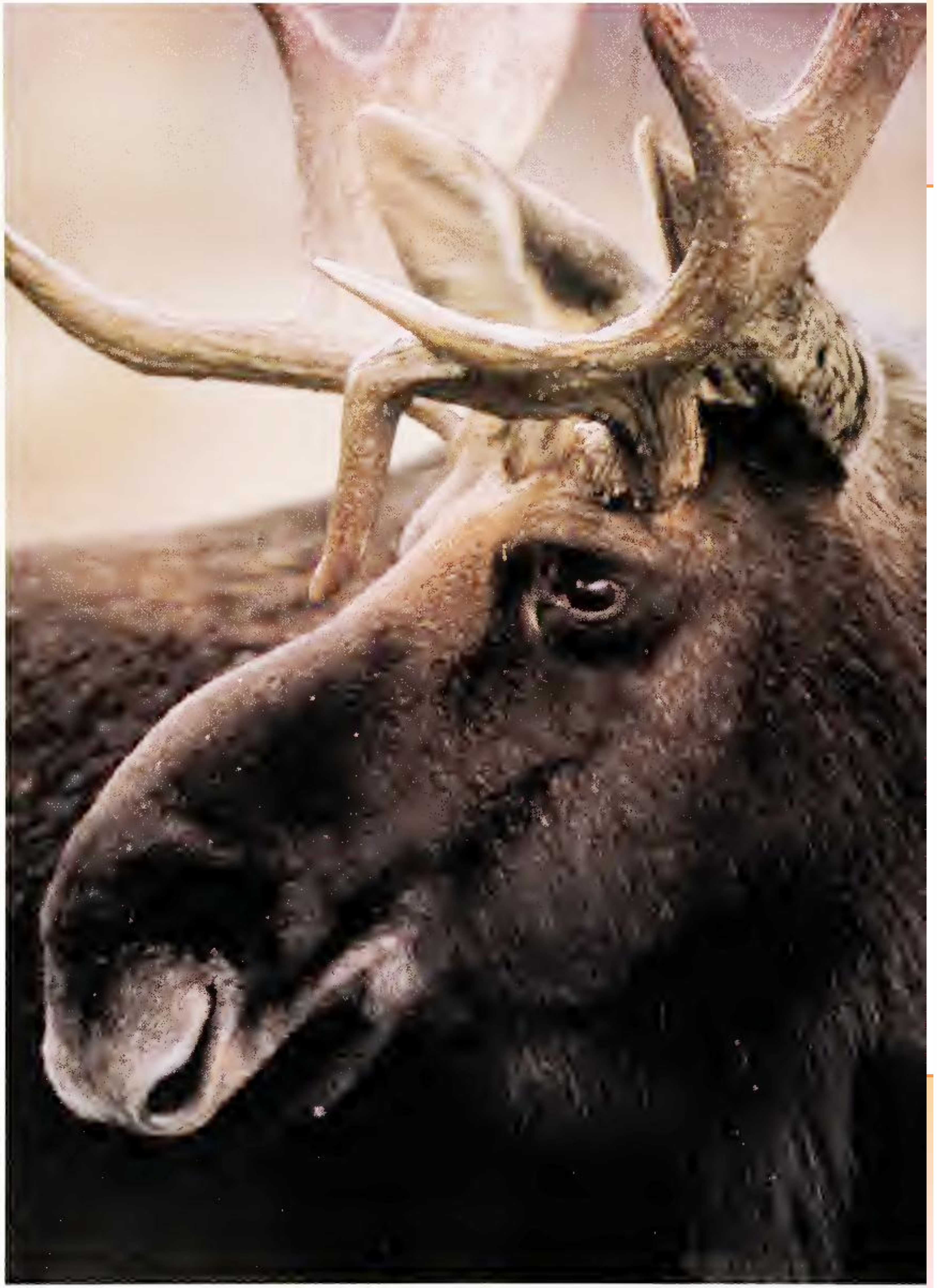
लैरी ने पहले भी मूस देखा था, जंगल में हिरण का शिकार करते हुए। और बसंत ऋतु में, एक दूर घास के मैदान में जहाँ वह अपने घोड़ों को चराता था, उसने पहली बार वर्मोंट में एक मूस देखा था। उसने उसे एक तालाब के किनारे दूर से भी देखा था, और अपनी दूरबीन से वह बता पाया था कि मूस के सींग बस लगभग दस इंच लंबे "क्लब" थे, जो अभी बनने शुरू हुए थे। मूस पेड़ों में गायब होने से पहले कुछ ही मिनट रुका था।

अब लैरी मूस से बीस फीट से ज़्यादा दूर नहीं था, और वह उसके आकार को देखकर हैरान था। उसने अनुमान लगाया कि वह ज़मीन से कंधों तक कम से कम छह फीट ऊँचा होगा, और उसके सींग उसके विशाल सिर से दो फीट ऊपर मुकुट की तरह ऊँचे थे।

लीला लैरी के पास धीरे-धीरे आई और वे गायों के चरागाह और जंगल के बीच की बाड़ के पास पहुँच गए। मूस ने उन्हें देखा ही नहीं। वह बालसम के पेड़ की शाखाओं पर चरता रहा—अपने मज़बूत, मांसल ऊपरी होंठ से टहनियाँ मुँह में खींचता; अपने दाँतों से छाल छीलता; अपने होठों से टुकड़े बटोरता; चबाते हुए तेज़ी से निगलता।

जैसे ही मूस ने ऊँची शाखाओं तक पहुँचने के लिए अपनी गर्दन आगे बढ़ाई, लीला फुसफुसाई, "यह बहुत बड़ा है। श्रूज़बरी में मैंने अब तक जो भी देखा है, वह सबसे सुंदर है। देखो, यह अपने सींगों को कितने गर्व से उठाए हुए है।"





लैरी सींगों का अध्ययन कर रहा था। वह जानता था कि मादा मूस के सींग नहीं उगते, और नर के सींग हर साल नए उगते हैं। हर अप्रैल में सींग मखमली गांठों जैसे होते हैं, और गर्मियों में ये लंबे और शाखाओं वाले हो जाते हैं। मखमली त्वचा दरअसल एक मुलायम त्वचा होती है, जिसमें रक्त वाहिकाएँ प्रचुर मात्रा में होती हैं जो तेज़ी से बढ़ते, हड्डीदार ऊतकों को कैल्शियम और अन्य खनिज प्रदान करती हैं। सींग असल में हड्डी ही होते हैं। पतझड़ में ये सख्त हो जाते हैं, और मखमल जैसे सूखकर छिल जाते है।

देखते ही लैरी को बसंत में देखा हुआ मूस याद आ गया और उसने सोचा कि क्या यह वही है, जिसके सींग अब पूरी तरह से विकसित हो चुके हैं।

सींग शानदार थे। वे विशाल, लंबी उँगलियों वाले हाथों जैसे लग रहे थे, हथेलियाँ ऊपर की ओर मुड़ी हुई। जब मूस ने लैरी और लीला की ओर देखा, तो लैरी ने देखा कि बाएँ सींग में एक नुकीला, या "उँगली" जैसा कुछ था, जो ऊपर की बजाय नीचे की ओर मुड़ा हुआ था। उसने सोचा कि शायद सींग उसी समय घायल हुआ होगा । वही सींग अब धीरे धीरे बढ़ रहा है।

अब तक आइक, बर्नकना बंद कर चुका था, और गाएं शांति से चर रही थी।

मूस चार्टा आ रहा है, बीच-बीच में लोगों की नजरें उसे देख रही है।

अगर गायें उसे भी देख लें, तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी।

लैरी और लीला लगभग एक घंटे तक यह सब देखते रहे, अपने सीज़न पर मूस को देखकर बहुत खुश थे। और पूछताछ में यह पता चला कि मूस डेंट वाला नहीं है, इसलिए वे वहां से चले गए थे, उसे ड्रंक करने की कोशिश नहीं कर रहे थे।

अपने घर में, लैरी जल्दी से कैमरा ढूंढ रही थी, इधर लीला ने अपने बच्चों, अपने पादरी और लैरी के चचेरे भाई को फोन किया। और कहा "यहाँ आओ, हमारे यहाँ एक मूस है," उसने उत्साहपूर्वक कहा। आइए उन्होंने उन्हें चुप रहने की चेतावनी भी दी। फिर वह और लैरी कैमरा लेकर बाहर चले गये।

एक-एक करके, जंगल के किनारे लारी और लीला के साथ आकर खड़े हो गए, सबने खुद को हल्का अदृश्य बनाए रखा। मूस ने कुछ बार अपनी इधर उधर देखा, फिर झाड़ियों में छिप गया।

मूस शान्त जीव हैं और आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़ सकते हैं। उकसाए जाने पर, वे हमला कर सकते हैं। इसलिए पर्यवेक्षक घबराए हुए बीस गज पीछे दिखे, तस्वीरें लेते रहे लेकिन सीमा रेखा को पार नहीं किया गया।

उन्होंने देखा कि मूस बस चर रहा है और धीरे-धीरे-धीरे बालसम से लाल मेपल और फिर विलो की ओर बढ़ रहा है।

लैरी को पूरा यकीन था कि, मूस जुगाली करने वाले जानवर की श्रेणी में आता हैं, जिनके पेट में चार भाग होते हैं। वे केवल औषधियां, मोटे रेशेदार भोजन आहार खाते हैं, और अधिकांशतः चारा तेजी चबा जाते हैं। भोजन का इनके पेट के पहले कक्ष में प्रवेश होता है, जो एक बड़े भंडार टैंक की तरह होता है। जब इसका पेट भर जाता है, तब यह जानवर खाना बंद कर देता है और आराम करने के लिए एक शांत जगह ढूंढता है। फिर यह पहले से पेट में भरे भोजन की थोड़ी मात्रा अपने मुंह में वापस लाता है और इसे फिर से धीरे धीरे चबाकर खाता रहता है। इस प्रक्रिया को जुगाली करना कहते है। जुगाली को अच्छी तरह से चबाने के बाद, इसे फिर से खाकर अपने पेट को पूरा भरने की पुष्टि कर लेता है यानी उसका पेट भर गया। ऐसा वह मान लेता है।



दो बार जब वे देख रहे थे, मूस लगभग आधे घंटे तक लेटकर जुगाली करता रहा। फिर वह उठा और फिर से चरने लगा। आखिरकार, देर दोपहर में, उसने चरना बंद कर दिया, बाड़ के सहारे सहारे वापस चला गया, और जंगल में गायब हो गया।

जल्द ही वह बाड़ के दूसरी तरफ फिर से प्रकट हुआ, उस पुराने लकड़ी काटने वाले रास्ते पर चलते हुए जो जंगल से उस चरागाह की ओर जाता था जहाँ तीन गायें चर रही थीं।

जैसे ही मूस चरागाह में दाखिल हुआ, एक गाय और एक साल का बछड़ा तेज़ी से बिजली के तार की बाड़ फांद गए। तीसरी गाय, जेसिका, एक मोटी, भूरी और सफ़ेद रंग की हियरफ़ोर्ड नस्ल की, जिसकी नाक पर झाइयाँ थीं, अपनी जगह पर खड़ी रही और उस अप्रत्याशित आगंतुक पर सतर्क नज़र रखे रही।

लैरी ने दोनों गायों को इकट्ठा किया और उन्हें घर के बगल वाले चरागाह में बाकी झुंड के साथ छोड़ दिया। फिर वह सड़क के उस पार चरागाह में गया और लीला और बाकी गायों के साथ खडा हो गया। अब जब मूस चरागाह की तरफ़ था, तो वे समझदारी से बाड़ के जंगल वाले हिस्से में चले गए थे।

मूस जेसिका के चारों ओर और भी घने घेरे में घूमने लगा। जब भी वह उसके कुछ फ़ीट के दायरे में आता, वह विनम्रता से दूर हट जाती। लैरी को लगा कि वह सोच रही है, "उस लंबे, काले, सुंदर आदमी को देखो। कितना राजसी और गर्वित।" कम से कम लैरी के मन में तो यही विचार थे। वह उस नेक जानवर से प्रभावित था।







जैसे-जैसे सूरज ढलने लगा, लैरी और लीला को एहसास हुआ कि वे सारा दिन मूस को देखते रहे थे। वे थके हुए, ठंडे और भूखे थे, और देखना मुश्किल हो रहा था। उनके मेहमान पहले ही जा चुके थे, इसलिए वे गर्म होने और रात का खाना बनाने के लिए अंदर चले गए। जब उन्होंने चरागाह में वापस देखा, तो मूस और जेसिका की परछाइयाँ धुंधली रोशनी में साफ़ दिखाई दे रही थीं। वह अभी भी उसके पीछे-पीछे घूम रहा था, उसके करीब आने की कोशिश कर रहा था।

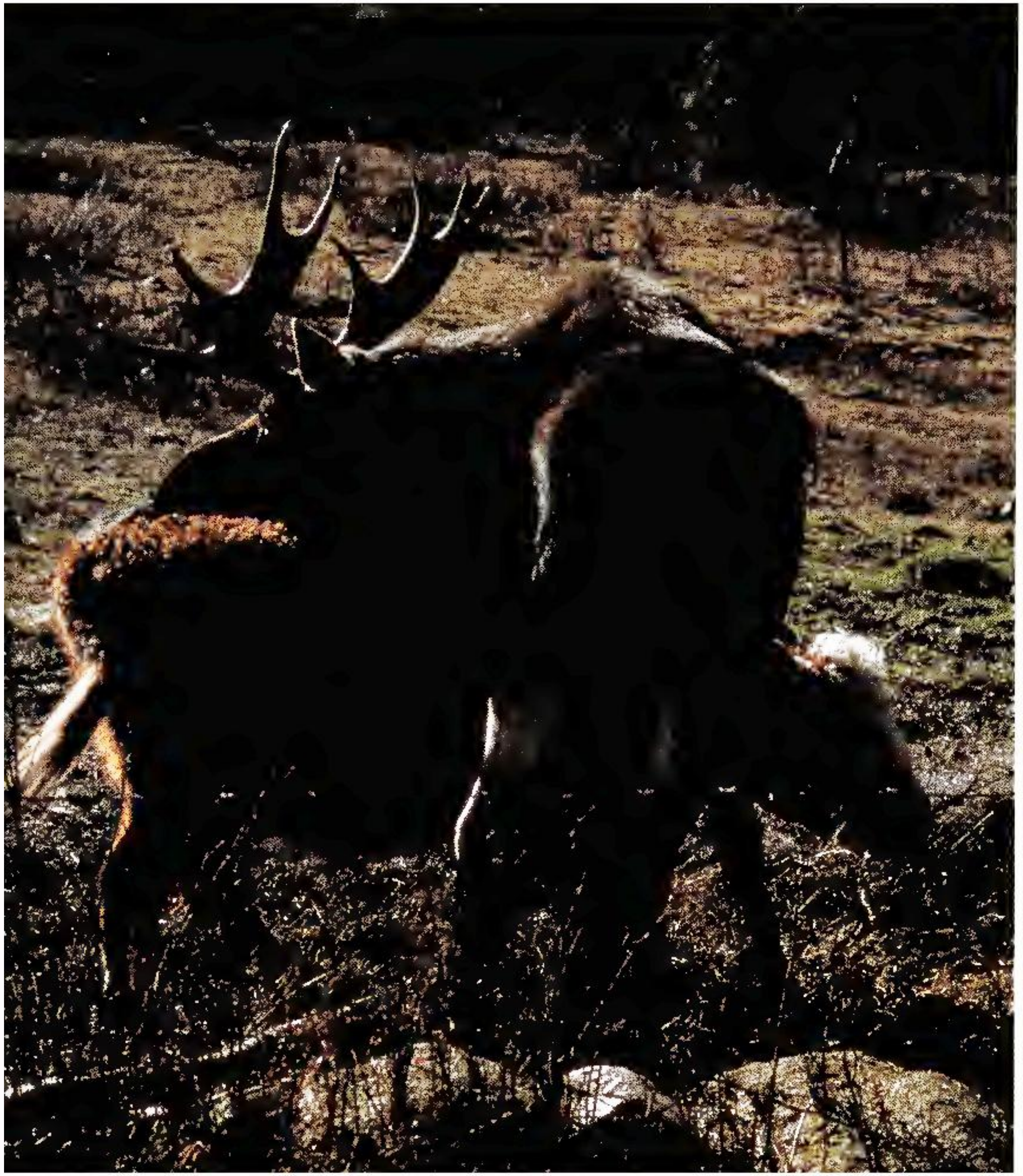
उस रात, जब लीला और लैरी सोने गए, तो उन्होंने बताया कि वे कितने भाग्यशाली हैं। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि मूस पूरा दिन वहीं रुका रहा। उन्हें यकीन था कि वह सुबह तक चला जाएगा।

जब लैरी की नींद खुली, तो उसने सबसे पहले खिड़की से बाहर देखा। उसने जेसिका को सड़क के उस पार चरागाह में एक छोटे से शेड के पास खड़ी देखा, लेकिन उसे मूस नहीं दिखाई दिया।

उसने कपड़े पहने और अपने काम निपटाने के लिए बाहर चला गया, जिसमें जेसिका के लिए एक बाल्टी में थोड़ा अनाज लाना भी शामिल था। जब जेसिका खाना खत्म कर चुकी, तो उसने बाल्टी उठाई और शेड के चारों ओर घूमा। उसे हैरानी हुई जब उसने देखा कि मूस पाँच फुट दूर है। लैरी ने धीरे से बाल्टी नीचे रखी और पीछे हट गया।

मूस आगे आया, उत्सुकता से बाल्टी को सूँघा, फिर चला गया। मूस जेसिका के साथ रहा, पहले दिन की तरह उसके पीछे-पीछे घूमता रहा। सुबह देर तक जेसिका ने उसे अपने पास आने दिया ताकि वह उसे सहला सके। और जब जेसिका खाती, तो वह अपनी गर्दन उसकी पीठ पर टिका देता और हल्के से अपना सिर आगे-पीछे हिलाता।

लैरी और लीला पूरी सुबह उन्हें देखते रहे। दोपहर तक उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें दो दिन के काम निपटाने हैं, इसलिए वे बेमन से काम पर लग गए, और जब भी मौका मिलता, चुपके से उसे देख लेते।





बाद में, जब लैरी जेसिका के लिए शेड में घास डालने गया, तो उसे एक एहसास हुआ... ऐसा एहसास कि कोई या कुछ पास ही है, उसे देख रहा है।

उसने पलटकर देखा। मूस बस कुछ ही फीट की दूरी पर था। वह बिना किसी आहट के प्रकट हो गया था। "अरे भाई," लैरी ने सोचा। "अब क्या होगा?" उसे डर था कि अचानक कोई हलचल मूस को डरा देगी और वह उस पर झपट पड़ेगा। इसलिए वह धीरे-धीरे शेड में घास डालता रहा। मूस ने उसे कुछ सेकंड और देखा (लैरी को यह घंटों जैसा लगा), और फिर चलकर चरागाह के दूसरी तरफ जेसिका के पास आ गया।

बाकी दिन, जब भी लैरी या लीला देखते, मूस या तो जेसिका के पास होता या फिर जंगल में चर रहा होता। कभी-कभी वह उस पर चढ़ने की कोशिश करता। एक बार, मूस जेसिका के आराम करने की जगह से लगभग पाँच फीट की दूरी पर लेटा हुआ था। वे धीरे-धीरे जुगाली कर रहे थे, एक-दूसरे की आँखों में देख रहे थे।

रात के खाने के बाद, लैरी सड़क पार कर गया और मूस बाड़ के पास आ गया। लैरी ने कहा, "हाय, बड़े भाई। तुमने एक और दिन रुककर हमें सचमुच चौंका दिया।" उसे एहसास हुआ कि वह सीधे हाथ बढ़ाकर मूस को छू सकता है। लेकिन उसने मन ही मन सोचा, "वह एक जंगली जानवर है, और मुझे उसे प्रोत्साहित करने या उसे पालतू बनाने के लिए कुछ भी करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।" उसे कहानियाँ याद आईं जो उसने पढ़ी थीं कि जब आप किसी जंगली जानवर को छूते हैं तो आप उसका जंगलीपन छीन लेते हैं, इसलिए उसने तय किया कि वह मूस को नहीं छुएगा।

उस शाम लैरी ने पास के माउंट होली से स्टेट गेम वार्डन, डॉन गैलस को फ़ोन किया। उन्होंने उसे मूस के बारे में बताया और कहा कि वह सुबह देखे कि क्या मूस अभी भी वहाँ है। लैरी यह आश्वासन चाहता था कि मूस स्वस्थ और सुरक्षित है, और वह अपने जानवरों या किसी और को नुकसान नहीं पहुँचाएगा।



अगली सुबह, सोमवार को, लैरी ने काम पर जाने से पहले अपने काम निपटाए। जब उसने देखा कि मूस अभी भी जेसिका के साथ है, तो उसने मिस्टर गैलस को फ़ोन किया। फिर उसने तय किया कि काम पर पहुँचकर, वह मूस के बारे में बताएगा और कुछ समय के लिए छुट्टी ले लेगा, शायद मूस के जाने तक। उसे यकीन नहीं था कि क्या होगा, लेकिन उसने सोचा कि उसे घर पर ही रहना चाहिए।

लैरी के जाने के बाद लीला घबरा गई। उसे डर था कि उसके जाते ही मूस भी चला जाएगा, और उसे घर पर अकेली रहना पसंद नहीं था, बीच-बीच में बाहर झाँककर देखना कि मूस अभी भी वहाँ है या नहीं। जब मिस्टर गैलस गाड़ी चलाकर आए, तो उसे राहत मिली, और वह उनके साथ चरागाह तक चली गई।

मिस्टर गैलस एक मूस को गाय के साथ इतना सहज देखकर हैरान रह गए। उन्होंने लीला को समझाया कि गायें बोविडे परिवार की सदस्य हैं, जिसमें भैंस और भेड़ शामिल हैं, जबकि मूस सर्विडे, यानी हिरण परिवार के सदस्य हैं, जिसमें कारिबू, सफ़ेद पूंछ वाले हिरण और एल्क शामिल हैं। मूस दुनिया के सबसे बड़े सींग वाले जानवर हैं। युवा बैलों में सींगों का पहला सेट लगभग एक साल की उम्र में उगता है, और हर अगले साल सींगों का नया सेट बड़ा और ज़्यादा भरा हुआ, या हथेली के आकार का होता जाता है। उन्होंने अनुमान लगाया कि इस मूस का वज़न लगभग सात सौ पाउंड था और उसके आकार और सींगों के आकार को देखते हुए, वह लगभग ढाई साल का था।

लीला घर वापस चली गई, और मिस्टर गैलस मूस को देखते रहे। वह देखना चाहते थे कि क्या मूस में ब्रेनवर्म के कोई लक्षण दिखाई दे रहे हैं, एक ऐसी बीमारी जो मूस को कभी-कभी एक परजीवी के अंडे खाने से होती है, जिसका सामान्य मेजबान सफेद पूंछ वाला हिरण होता है। मूस में, परजीवी के लार्वा विकसित होते हैं, रक्तप्रवाह के माध्यम से रीढ़ की हड्डी तक पहुँचते हैं, और अंततः मस्तिष्क में चले जाते हैं जहाँ वे मस्तिष्क के ऊतकों पर भोजन करते हैं। दृष्टि, गति और श्वास को प्रभावित करने के अलावा, ब्रेनवर्म मूस को लड़खड़ाने और संतुलन खोने का कारण बनता है जब भी वह लंबे समय तक एक ही स्थिति में खड़ा रहने की कोशिश करता है। ऐसा लगता है कि वह मनुष्य का डर भी खो देता है। इसलिए श्री गैलस ने इस मूस का बारीकी से निरीक्षण किया।





दोपहर के आसपास, लैरी घर आया और लीला को बताया कि उसने अपनी नौकरी से छुट्टी ले ली है। फिर वह मिस्टर गैलस के पास गया, जिन्होंने बताया कि मूस अच्छी सेहत में लग रहा था, हालाँकि किसी के लिए लोगों को उसके इतने करीब आने देना असामान्य था।

लैरी ने मिस्टर गैलस से पूछा कि उन्हें क्या लगता है कि मूस कहाँ से आया होगा।

"हमारा अनुमान है कि आपके फार्म के पैंतीस मील के दायरे में पहाड़ों में आठ से बारह मूस रहते हैं," उन्होंने उन्हें बताया। "मुझे पता है कि वर्मोंट के मूस प्रोजेक्ट के प्रमुख चार्ल्स विली का अनुमान है कि पूरे वर्मोंट में शायद केवल तीन सौ से छह सौ मूस होंगे। चूँकि वे आम तौर पर एकांतप्रिय जानवर होते हैं और झुंड में यात्रा नहीं करते, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि वास्तव में कितने हैं।"

उन्होंने समझाया कि पतझड़ मूस के प्रजनन, या रटिंग, का मौसम है। नर मूस में प्रजनन की तीव्र प्रवृत्ति होती है और कभी-कभी वे अन्य नरों के साथ धक्का-मुक्की करते हैं, अपने सींगों का इस्तेमाल करते हैं और अपने अगले पैरों से ज़मीन को खोदते हैं। हालाँकि, ज़्यादा ताकतवर मूस मादा का दिल नहीं जीत पाते, क्योंकि ज़ाहिर है कि मादा मूस, जिसे मूस गाय कहा जाता है, ही नर को स्वीकार करना चुनती है।

श्री गैलस ने अनुमान लगाया कि इस मूस को जहाँ वह रहता था वहाँ कोई इच्छुक मूस गाय नहीं मिली होगी, इसलिए वह घने जंगल से भटक गया और कैरारा पर्वत पर पहुँच गया। जब उसने जेसिका को देखा और वह भागी नहीं, तो मूस ने वहीं रहने का फैसला किया। उसे अपनी गाय मिल गई थी, भले ही वह एक हियरफोर्ड गाय थी, कोई और मूस नहीं। श्री गैलस हँसे। "हम जानते हैं कि मूस की सुनने की क्षमता बहुत अच्छी होती है और सूंघने की शक्ति भी बहुत अच्छी होती है। हम यह भी जानते हैं कि उनकी दृष्टि कमज़ोर होती है। मुझे लगता है इससे यह बात साबित होती है।

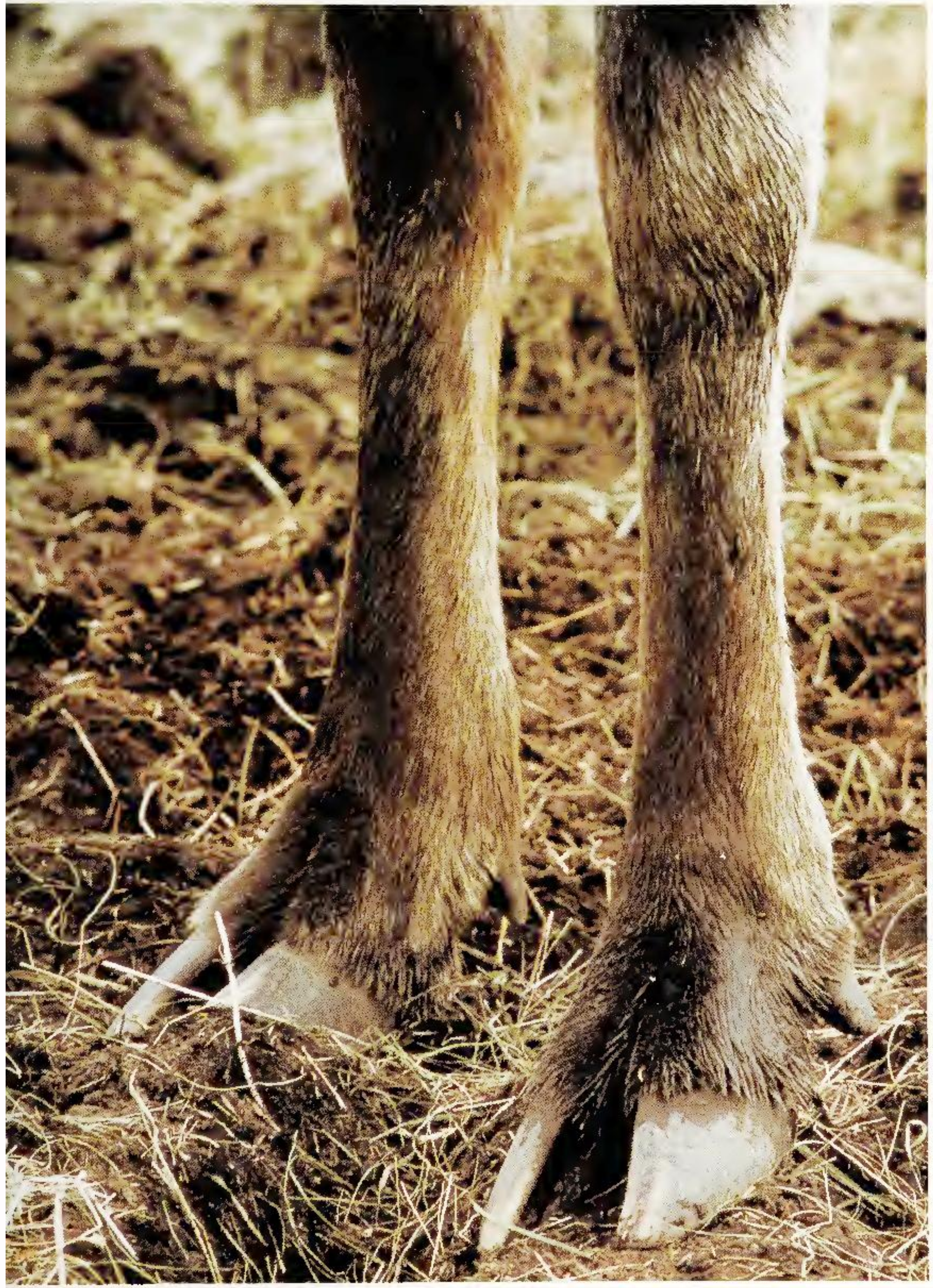
श्री गैलस को उम्मीद थी कि मूस करीब दस दिन तक यहां रहेगा और फिर जहां से आया था वहां वापस चला जाएगा। एक बैल मूस आमतौर पर एक ग्रहणशील मादा के साथ करीब दस दिन तक रहता है और फिर अपने प्रजनन काल समाप्त होने से पहले संभोग के लिए एक अन्य मूस गाय की तलाश में निकल जाता है। बैल मूस करीब दो महीने तक प्रजनन काल में रह सकता है।

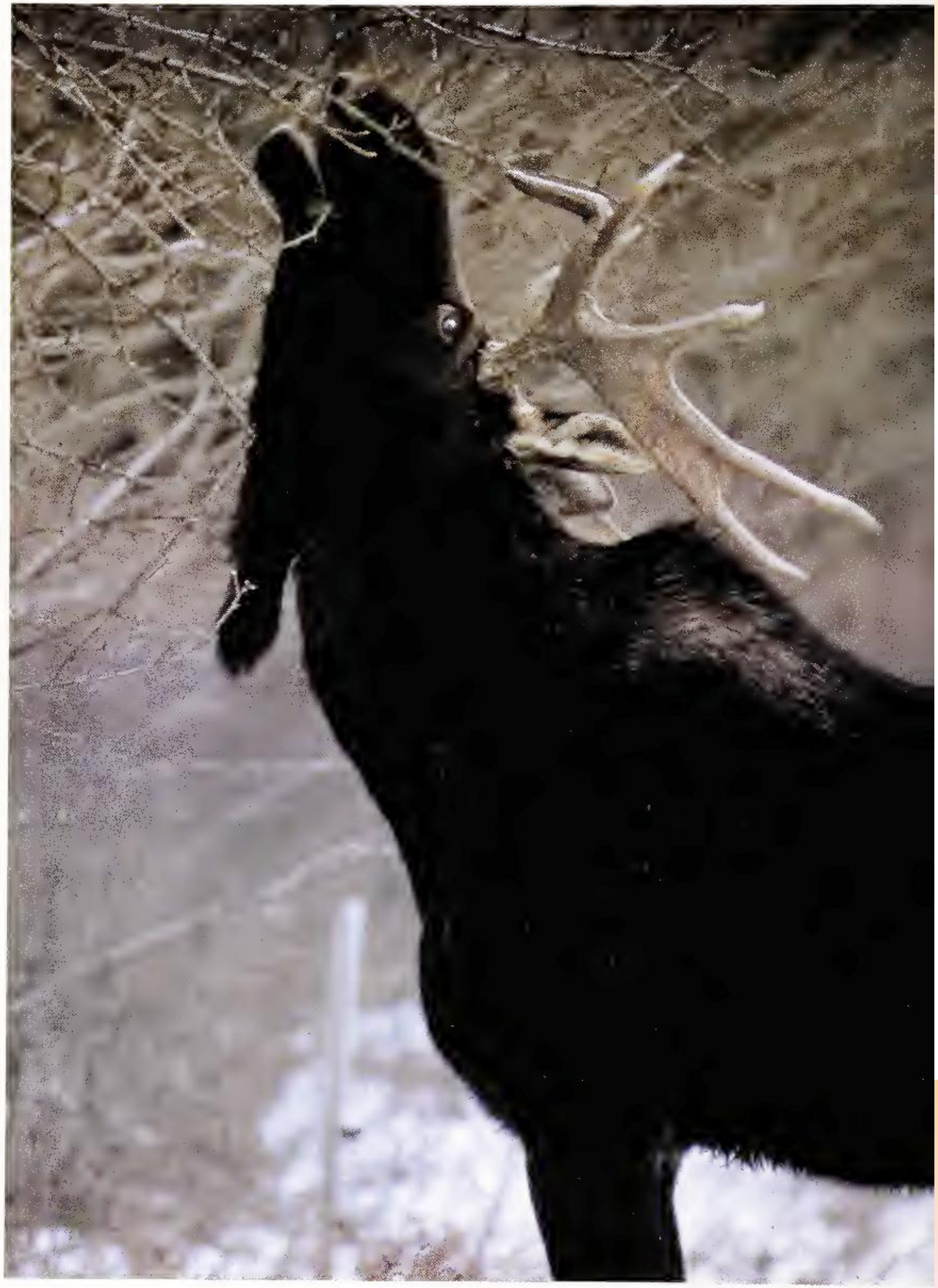
प्रजनन काल के बाद, सींगों का प्रदर्शन और रक्षा के लिए कोई मूल्य नहीं रह जाता है। मूस आमतौर पर इन्हें सर्दियों की शुरुआत से मध्य तक में गिरा देता है। ठंडे, बर्फीले मौसम के दौरान, मूस वास्तव में इनके बिना आसानी से चारा ढूंढने में सक्षम हो सकता है।

बैल मूस आमतौर पर अपने प्रजनन काल के दौरान आक्रामक होते हैं और किसी को या चीज को अपनी गायों के पास आते देखना पसंद नहीं करते हैं। श्री गैलस यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि यह मूस खतरनाक नहीं है।

श्री गैलस को भी लगा कि लैरी मूस के साथ अच्छा व्यवहार कर रहा है, उसे बाड़ लगाकर नहीं रख रहा है और न ही उसे परेशान कर रहा है। संपत्ति के पीछे जंगल में कोई बाड़ नहीं थी, और चरागाह की बाड़ ज़मीन से अठारह इंच ऊपर सिर्फ़ एक बिजली का तार था। मूस की लंबी टाँगें, जो गहरे पानी या बर्फ़ में खड़े रहने के लिए विकसित हुई थीं, उसे आसानी से पार ले जा सकती थीं।

श्री गैलस ने मूस को फिर से देखने और उसके सवालों के जवाब देने का वादा किया। वह यह सोचकर चले गए कि मूस एक-दो हफ़्ते में चला जाएगा।







लैरी के अनुसार, उसके बाद से हर दिन "एक नई चीज़ की तरह था।" "मैं सुबह जल्दी उठता और बाहर देखकर पूछता, 'क्या वो वहाँ है?' और लीला मना कर देती। फिर जब तक मैं कॉफ़ी वगैरह ले लेता, मैं खिड़की से बाहर देखकर कहता, 'वो आ रहा है।'" कुछ दिन मूस जंगल में चरता रहता, उसके सींगों वाला सिर खाने की तलाश में शाखाओं में ऊँचा उठता। दूसरे दिन वह चरागाह में जेसिका का पीछा करता।

लैरी के हंस, जो जहाँ चाहे घूमते रहते थे, मूस को चिढ़ाना पसंद करते थे। कभी-कभी जब वह लेटकर जुगाली कर रहा होता, तो वे पंख फड़फड़ाते और ज़ोर ज़ोर से आवाज़ें निकालते हुए उस पर झपट पड़ते। जब वे बहुत ज़्यादा परेशान करने लगते, तो वह उठकर उन्हें भगा देता।

लैरी ने अपने बाकी झुंड को घर के बगल वाले चरागाह में रखा, और अब वह आइके को खुला नहीं छोड़ता था। आइके को मवेशी चराने का प्रशिक्षण दिया गया था, और वह अक्सर लैरी के घोड़ों का भी पीछा करता था। लैरी को अच्छी तरह पता था कि कुत्ता मूस का पीछा करेगा, और वह नहीं चाहता था कि मूस अपने तीखे खुरों से आइक पर हमला करे।





शाम को लैरी चरागाह में चला जाता, और मूस बाड़ के पास आकर अपनी गर्दन बाहर निकाल लेता। "तुमने हमें कैसे या क्यों चुना?" लैरी उससे धीरे से पूछता। "मुझे खुशी है कि तुम यहाँ हो और स्वस्थ हो, भले ही हम तुम्हारे व्यवहार की व्याख्या न कर सकें।"

लैरी हर दिन मूस को देखता और उसकी दिनचर्या जान लेता। सुबह-सुबह चरने के बाद, वह जेसिका के पीछे-पीछे घूमता। जब वह उससे थक जाती, तो वह एक देवदार के पेड़ के नीचे एकांत खोजती, जिसकी शाखाएँ इतनी ऊँची थीं कि

... मूस उसके सींगों को उलझाए बिना उसका पीछा नहीं कर सकता था। वह कुछ फीट दूर खड़ा होकर, उसके बाहर आने का इंतज़ार करते हुए, उसे हसरत भरी निगाहों से देखता रहता था। कभी-कभी जब वह बाहर आती, तो वह सीधे उसके पास चली आती।

लैरी जानता था कि अपने व्यवहार के बावजूद, मूस और जेसिका संतान पैदा नहीं कर सकते थे। चार्ल्स विली ने समझाया था कि मूस और हियरफोर्ड गाय के गुणसूत्र मेल नहीं खाते।











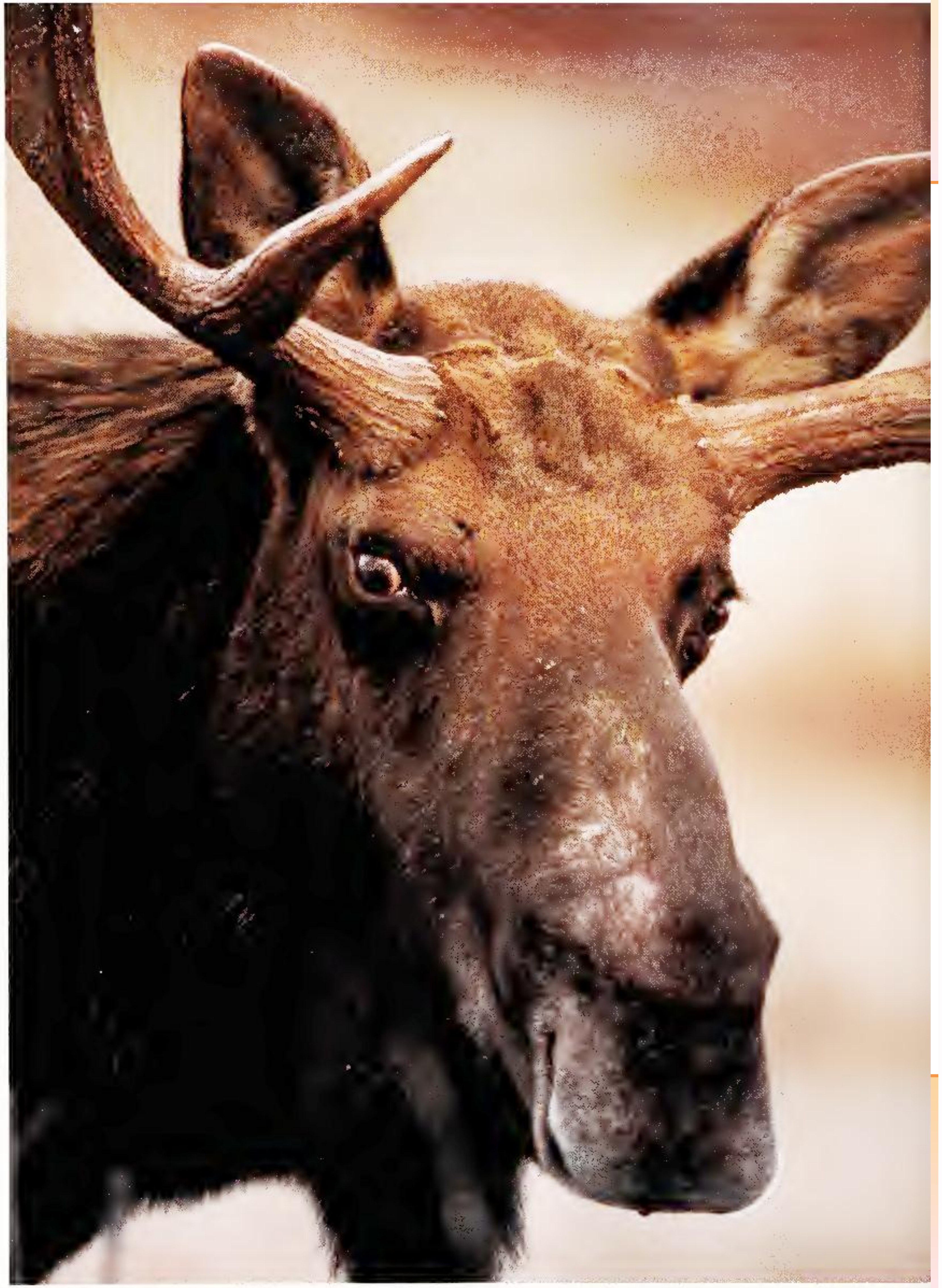
मूस को चारागाह में पानी पीने की एक पसंदीदा जगह मिली। उसे ज़मीन के नीचे बने झरने से पानी भरने वाला एक छोटा, कम गहरा तालाब मिला। पानी तक अपना मुँह पहुँचाने के लिए, उसे अपने लंबे अगले पैरों पर घुटनों के बल बैठना पड़ता था। कभी-कभी बर्फ़बारी के बाद, झरने से पानी पीने के बजाय, वह बर्फ़ को चाटता था।

लगभग हर दिन मूस को कोई छोटी झाड़ी या झाड़ी मिल जाती थी, और वह उस पर अपने सींग फँसाता और कुतरता था। मूस पतझड़ में यही करता है, ताकि सूखे हुए मखमली हिस्से को हटाने में मदद मिल सके। अब इस शैडोबॉक्सिंग से मूस की गर्दन और कंधे की मांसपेशियों में ताकत आ गई थी जिसका इस्तेमाल वह दुश्मनों से लड़ने के लिए कर सकता था।



लैरी ने देखा कि मूस दिन में दो-तीन बार जंगल के किनारे एक खास जगह पर पेशाब करता था। लैरी को ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी रस्म से गुज़र रहा हो। पेशाब करने के बाद, वह अपने अगले पैरों पर घुटनों के बल बैठ जाता और अपना चेहरा उस जगह पर रख देता, उसे छूए बिना, लेकिन अपनी कस्तूरी या सुगंध को महसूस करने के लिए पर्याप्त पास। फिर वह खड़ा होता और अपने सींगों की मदद से जितना हो सके, अपना सिर पीछे की ओर झुकाता। ज़्यादातर दिन वह चुपचाप ऐसा करता। लेकिन कुछ बार जब वह अपना सिर पीछे की ओर झुकाता, तो वह ज़ोर से, तीखी जैसी आवाज़ निकालता।

कभी-कभी दिन में वह फुँफकारने और सूँघने जैसी आवाज़ें निकालता। उसका बड़ा ऊपरी होंठ फूल जाता, उसके नथुने फैल जाते, और वह हवा का एक झोंका छोड़ता, ऐसा करते हुए उसके होंठ हिलते। लैरी ने उसे सिर्फ़ सुबह और देर शाम को ही आवाज़ें निकालते सुना था, जब लैरी बाड़ के पास जाता और मूस उसके पास आता। लैरी धीरे से बातें करता, और मूस ज़ोर-ज़ोर से साँसें लेता, हल्की फुँफकारने जैसी आवाज़ें निकालता।



लैरी ने उसे एक अपना नाम दिया और बातचीत के दौरान उसी नाम से पुकारता था। "वापस आने के लिए शुक्रिया, जोश," लैरी हर सुबह उससे कहता था। "तुम्हें फिर से देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। और जब तुम वापस जाओ, अगर तुम कभी इधर से गुज़रो, एक पल के लिए भी, तो मुझे कोई इशारा या कुछ और संकेत दे देना, ताकि मुझे पता चल जाए कि तुम ही हो।"

लैरी ने 'जोश' नाम इसलिए चुना था क्योंकि यह उसके एक पोते का नाम था। और यह नाम उसे अपनी गायों को पुकारते समय इस्तेमाल करने जैसा लगता था। अगर वह गलती से "जोश" कह देता, जब दूसरे लोग आस-पास होते, तो वह हमेशा कह सकता था, "मैं तो बस गायों से बात करते हुए 'बॉस, आओ बॉस' कह रहा था।"

लैरी जानता था कि एक बार जब मूस अपने सींग गिरा देगा, तो उसे दूसरे मूस से अलग पहचानना बहुत मुश्किल होगा। हालाँकि, उसने एक और विशिष्ट निशान देखा था। मूस की दाहिनी आँख के ऊपर एक छोटा सा V-आकार का निशान था। लैरी ने सोचा कि मूस ने शायद वर्ष के शुरू में ही खुद को काट लिया होगा, शायद जंगल में दौड़ते समय, या किसी दुर्घटना या लड़ाई के दौरान जिससे उसके सींग को नुकसान पहुंचा हो। उन्होंने सोचा कि शायद जैसे-जैसे मूस बड़ा होगा, यह निशान ओर साफ़ दिखाई देने लगेगा।।



दस दिन बीत गए, फिर बीस, और मूस अभी भी वहीं था। उसके आने की खबर फैल गई। अखबारों, पत्रिकाओं, रेडियो और टेलीविजन स्टेशनों ने इस खबर को कवर करने के लिए रिपोर्टर भेजे। मिस्टर गैलस कई बार और वहाँ आए, और बसों में भरकर स्कूली बच्चे, स्थानीय लोग, और अन्य लोग जिन्होंने मूस के बारे में सुना या पढ़ा था, खुद देखने आए। कुछ लोग सुबह छह बजे ही पहुँच गए। कुछ लोग अँधेरा होने के बाद गाड़ी चलाकर आए और अपनी हेडलाइट्स चरागाह में डाल दीं। सभी को यह अजीब, मज़ेदार और यहाँ तक कि थोड़ा मार्मिक भी लगा कि एक जंगली मूस एक किसान की गाय को मनाने आया था। उन्होंने उन्हें "द ऑड कपल" कहा, और उसे "द लवसिक मूस" और "द श्रूज़बरी मूस" भी कहा।

कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि लैरी एक लकड़ी की बाड़ लगा दे और प्रवेश शुल्क ले। उसने ठीक इसके विपरीत किया। उसने चरागाह के पीछे जंगल से लगे तार को काट दिया और बाड़ के बाकी हिस्से की बिजली काट दी। वह पूरी तरह से आश्वस्त होना चाहता था कि मूस जब चाहे तब जा सकता है।



कुछ लोगों ने लीला से कहा कि उसे एक फ़ूड कंसेशन स्टोर खोलना चाहिए और हॉट डॉग और कॉफ़ी बेचनी चाहिए। कुछ लोग तो अपना सामान खुद बेचना चाहते थे। सभी के लिए, लैरी और लीला का जवाब साफ़ तौर पर 'नहीं' था। "मैं आसपास कोई विक्रेता नहीं चाहता। मैंने सभी विक्रेताओं को बाहर रखा है," लैरी ने एक आगंतुक से कहा। "मैं यहाँ एक तमाशा नहीं बनाना चाहता।" हालाँकि, लैरी ने स्मृति चिन्हों के लिए आए अनुरोधों का जवाब टी-शर्ट, बम्पर स्टिकर और अन्य छोटी-छोटी यादगार चीज़ें बनवाकर दिया।

लैरी खुश था कि उसने अपनी नौकरी से छुट्टी ले ली थी। उसे घर पर रहना था ताकि लीला को भीड़ से निपटने में मदद कर सके और यह सुनिश्चित कर सके कि लोग चरागाह में घुसकर मूस को डराने की कोशिश न करें।

एक दिन लैरी को मूस को देखती भीड़ को छोड़कर, एक पल के लिए घर लौटना पड़ा। उसने उनसे कहा, "कृपया, और मेरा मतलब है, कृपया, मूस के पास मत जाओ।" लेकिन जब तक वह वापस लौटा, उत्सुक आगंतुक आगे बढ़ चुके थे, मूस को लगभग झाड़ियों में फँसा चुके थे। मूस ने हमला कर दिया। "हर दिशा में तीन सौ लोग दौड़ रहे थे," लैरी ने कहा। "मैं जितनी जल्दी हो सके दौड़ा, लेकिन वहाँ एक छोटी लड़की थी, और वह सीधे उसकी ओर दौड़ रहा था। मैं चिल्लाया, और न जाने क्यों मूस रुक गया, उससे बस दो या तीन फ़ीट की दूरी पर। मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन वह रुक गया। किसी को चोट नहीं आई, और उसके बाद सब ठीक हो गया।"

कभी-कभी जब लोग आते तो मूस लेटा होता और वे लैरी से कहते, "अरे, मैं काफी देर से यहां हूं। क्या इसे कभी वी' अप नहीं मिलता? और लैरी कहता, "ओह, हां।

लेकिन अगर वह आराम कर रहा होता है, तो मैं उसे परेशान नहीं करता और कहता, 'जल्दी करो और उठो ताकि लोग तुम्हें देख सकें।'" अगर मूस कुछ घंटों से लेटा होता और लोग इंतजार करते, तो लैरी बाड़ के अंदर जाकर कहता, "चलो, उठो। लोग तुम्हें देखना चाहते हैं।" और जब मूस खड़ा होता, तो लोग उसके आकार को देखकर हैरान रह जाते।

हिरण शिकार का मौसम 15 नवंबर से शुरू होने वाला था, और लैरी और मिस्टर गैलस मूस की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे, हालाँकि वर्मोंट में मूस को गोली मारना क़ानूनन अपराध है। उन्हें उम्मीद थी कि वह मौसम खत्म होने तक लैरी के फ़ार्म पर ही रहेगा और जंगल में वापस नहीं जाएगा जहाँ कोई शिकारी उसे हिरण समझकर शिकार कर सकता है। लैरी ने मूस की सुरक्षा के लिए घर के पास और जंगल में अपनी ज़मीन पर "शिकार निषेध" के बोर्ड लगा दिए।



हिरण शिकार के मौसम के पहले दिन, यानी मूस के आने के बाईसवें दिन, लैरी सुबह साढ़े छह बजे उठा और उसे ढूँढ़ने बाहर गया। उसे वह जेसिका के साथ नहीं दिखा, और वह उसे जंगल में भी नहीं ढूँढ़ पाया। लैरी को डर था कि वह हमेशा के लिए चला गया है। हालाँकि उसे पता था कि मूस कभी न कभी तो चला ही जाएगा, फिर भी उसे अपने नुकसान का गहरा एहसास हुआ।

बाहर ठंड थी, इसलिए लैरी गर्म कपड़े लेने घर के अंदर गया। अपने पिछले बेडरूम में, उसने खिड़की से बाहर घर के पास वाले चरागाह की ओर देखा, और वहाँ, उसे बहुत आश्चर्य हुआ, मूस था! और भी हैरानी की बात यह थी कि बाकी मवेशी भी वहाँ थे।





लैरी देखते ही देखते मूस मवेशियों की ओर बढ़ने लगा और वे चरागाह के दूसरे हिस्से में चले गए। मूस ने कई बार उनके पास आने की कोशिश की, कभी-कभी सीधे उनकी ओर दौड़ा, लेकिन वे हमेशा भाग जाते।

यह पहली बार था जब मूस सड़क पार करके घर के बगल वाले चरागाह में आया था। तब तक, वह दिन-रात जेसिका के साथ सड़क के उस पार ही रहता था। लैरी को आश्चर्य हुआ कि जेसिका अब कहाँ है। वह बाहर गया और देखा कि वह अभी भी सड़क के दूसरी ओर चरागाह में घर की ओर देख रही थी। लैरी समझ नहीं पा रहा था कि वह मूस को देख पा रही है या नहीं।

देर दोपहर, मूस ने आखिरकार मवेशियों के पास जाने की कोशिश छोड़ दी और सड़क के किनारे बाड़ के पास लेट गया। लैरी ने देखा कि मूस लेटते समय हमेशा की तरह जुगाली नहीं कर रहा था। वह बस सड़क के उस पार जंगल और जेसिका को देख रहा था। घर के पास वाले चरागाह में कोई बालसम के पेड़ नहीं थे और बहुत कम दूसरे पेड़ थे, और लैरी ने सोचा कि मूस भूखा होगा। इसलिए उन्होंने वहां खड़े लोगों से, जो मूस को देख रहे थे, अपनी गाड़ियां हटाने, पीछे खड़े होने और जगह बनाने को कहा।





जैसे ही जगह खाली हुई, मूस ने अपने पैर फैलाए और खड़ा हो गया। लैरी ने बाहें उठाकर लोगों को रुकने का इशारा किया। उसने मूस से धीरे से बात की। "चलो, बड़े बच्चे। तुम्हें भूख लगी होगी। कोई बात नहीं। चलो।" मूस ने नीची बाड़ को पार किया, गर्व से सड़क पार की, एक और नीची बाड़ को पार किया, और जेसिका के साथ चरागाह में चला गया।



उसने उसे अपने सिर से सहलाया, और जब वह घास खाता रहा, तो वह उसके बगल में लेट गया। बाद में ही वह बालसम के पेड़ों पर घास खाने गया। शाम को, जब लैरी और लीला ने बाहर क्या हो रहा है, यह देखने के लिए जाँच की, तो मूस फिर से घर के पास चरागाह में चला गया था, जेसिका को अकेला छोड़कर।

अगली सुबह जब लैरी ने बाहर देखा, तो वह यह देखने के लिए उत्सुक था कि मूस किस चरागाह में है, अगर वह आसपास है भी। लैरी ने घर के बगल वाले चरागाह के कोने में मूस को देखा। जब वह जानवरों को चारा देने के लिए बाहर गया, तो जेसिका को घर के पास खड़ा देखकर चौंक गया, जो बाड़ के उस पार मूस और चरागाह में मौजूद दूसरे मवेशियों को घूर रहा था। वह सड़क के उस पार लगी कम ऊँचाई वाली तार की बाड़ को पार करने में कामयाब रहा था, लेकिन इस मूस ने उसे रोक दिया था, हालाँकि वह भी उतनी ही ऊँचाई का था।

लैरी ने गेट खोला और उसे अंदर आने दिया। वह धीरे-धीरे मूस के पास गई, उसके कंधे को अपने सिर से सहलाया, और ज़मीन पर पड़ी घास को कुतरने लगी। मूस ने अपना सिर नीचे किया और अपनी नाक से घास को उसके मुँह की ओर धकेला, फिर जब वह खा रही थी, तो अपना सिर उसकी पीठ पर टिका दिया। इस दिन दूसरे मवेशी मूस से दूर नहीं भागे। दरअसल, जब भी वे चरने की जगह के पास होते, तो वे उसे उन्हें इकट्ठा करने देते। मूस उन्हें अपने सिर से धीरे से धकेलता, कभी-कभी अपने सींगों का इस्तेमाल करता। यदि वे प्रतिक्रिया देने में धीमे होते, तो वह अपने अगले पैरों को पटक कर आक्रामक तरीके से उनकी ओर बढ़ता।





एक युवा बैल, कार्सन, जो सिर्फ़ चार महीने का था, मूस का ख़ासा शौकीन लग रहा था। हर बार जब लैरी देखता, तो उसे लगता कि कार्सन मूस के पास है या उसके पीछे-पीछे चल रहा है। कार्सन इतना छोटा था कि वह लगभग मूस के नीचे चल सकता था।

उस रात जब लैरी और लीला सोने गए, तो उन्होंने कहा कि मूस के आने के बाद यह पहली रात थी जब सभी मवेशी और मूस एक साथ एक ही चरागाह में थे।

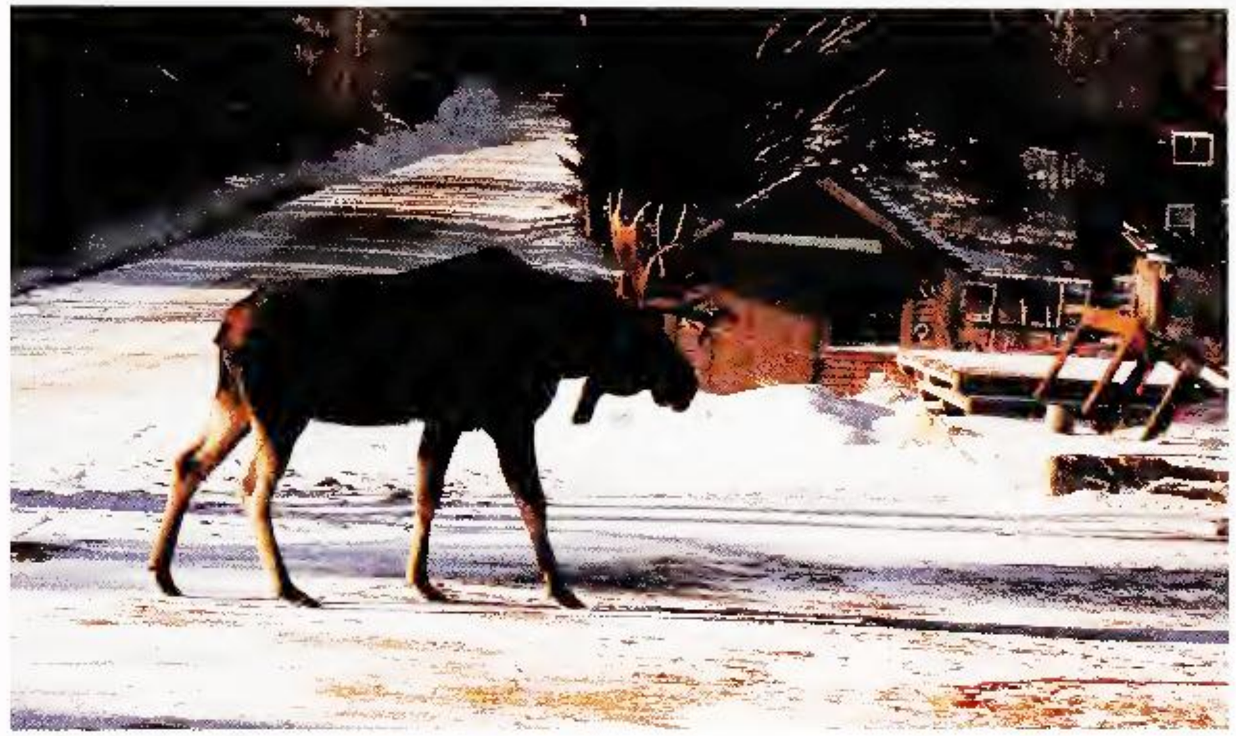
सुबह लैरी हमेशा की तरह अपने कामों में लग गया और उन लोगों से बात करने लगा जो द लवसिक मूस और उसकी दोस्त जेसिका को देखने आए थे। वह लोगों को यह बताते-बताते थक गया था कि जेसिका कौन सी गाय है, इसलिए उसने उसके गले में एक लाल रिबन बाँध दिया।













अगले कुछ दिनों में, लैरी ने देखा कि मूस की दिनचर्या बदल गई थी। सुबह के समय और फिर दोपहर के लगभग तीन बजे, वह बाड़ के पास खड़ा होकर सड़क के उस पार लालसा भरी निगाहों से देखता। लैरी भीड़ के बीच से उसके लिए रास्ता बना देता ताकि वह उसे पार कर सके। दूसरी तरफ पहुँचकर, मूस पुराने लकड़ी काटने वाले रास्ते पर चल पड़ता और दो-तीन घंटों के लिए जंगल में गायब हो जाता।

लैरी का मानना था कि मूस को अपनी सीमा बढ़ानी होगी, क्योंकि उसने शायद आस-पास की सारी पौष्टिक टहनियाँ और टहनियाँ खा ली थीं। कुछ घंटों तक चरने के बाद, वह फिर से सड़क पार करता, चरागाह में मवेशियों के साथ बैठ जाता, और घाटी को निहारते हुए, जुगाली करने के लिए लेट जाता।





भारी बर्फबारी के बाद, लैरी को लगा कि मूस के लिए गहरी बर्फ में हल चलाना शायद थका देने वाला होगा। छुट्टियों का मौसम आ रहा था, और लैरी का भतीजा क्रिसमस ट्री बेच रहा था। इसलिए लैरी जब मवेशियों के लिए चारा लाता, तो पेड़ों की टहनियाँ काटकर उन्हें चरागाह में ले आता। कभी-कभी दिन में, मूस उस नमक के टुकड़े को चाट लेता जो लैरी मवेशियों के लिए बाहर रखता था।

शाम को, मूस बाड़े के सरदार की तरह व्यवहार करता और मवेशियों को चरागाह तक ले जाता। फिर वह खुद ही चरागाह में घुस जाता।

वह समूह में इकट्ठा होता और जेसिका की ओर घास धकेलता, मानो वह यह सुनिश्चित करना चाहता था कि उसे उसका उचित हिस्सा (या उससे ज़्यादा) मिले। मूस मवेशियों के लिए रखे गए चारे में से कुछ भी नहीं खाता था।

खाने के बाद, वे सब लेट जाते और जुगाली करते, और मूस हमेशा जेसिका के पास ही लेटा रहता। रात के लगभग दस बजे, वह उठता और फिर से सड़क पार करके जंगल की ओर चल पड़ता। कभी-कभी वह दूर घास के मैदान की ओर चल पड़ता, जहाँ घोड़े होते थे। वह हमेशा सुबह सात बजे के आसपास लौटता था, और लैरी और लीला उसे देखकर हमेशा बहुत खुश होते थे।



"जेसिका कुछ उलझन में सी लग रही है।"
—दर्शक "प्यार में पड़ा हर कोई उलझन में दिखता है।" — लैरी

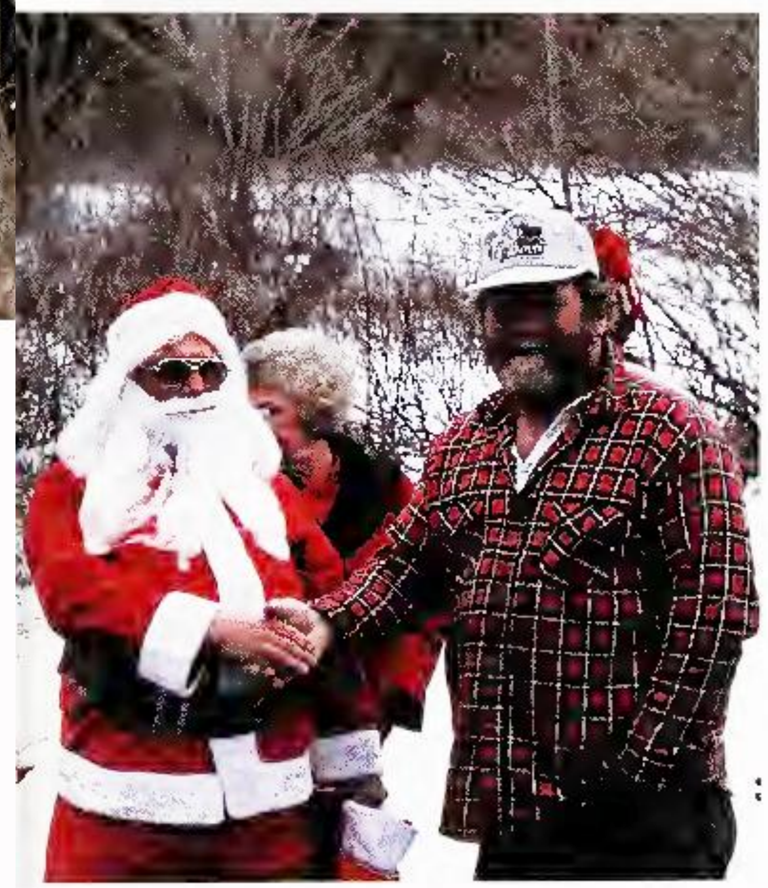


"वह भूरे रंग की पैंट वाले उस लड़के को एक और नज़र से देख रहा है।"
—दर्शक "जब तक उसके कान नीचे न हो जाएं, आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।" —लैरी

नए साल की पूर्वसंध्या तक, मूस कैरारा माउंटेन पर अड़सठ दिन से था। लैरी और लीला को राष्ट्रव्यापी टेलीविजन पर दिखाने के लिए लिमोसिन से ले जाया गया था। उनका टेलीफोन पर साक्षात्कार लिया गया था और रेडियो पर सैन लारेंसिस्को, ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रिया जैसे दूरदराज के स्थानों पर प्रसारित किया गया था। दुनिया भर के अखबारों और पत्रिकाओं में तस्वीरें, कहानियां और पत्र छपे थे। लोगों ने असामान्य प्रेमालाप के बारे में कविताएँ और गीत लिखे थे। और सत्तर हज़ार से ज़्यादा आगंतुक कैरारा माउंटेन की संकरी देशी सड़क से यात्रा कर चुके थे। एक शनिवार को, चार हज़ार से ज़्यादा लोग फार्म पर आए थे।

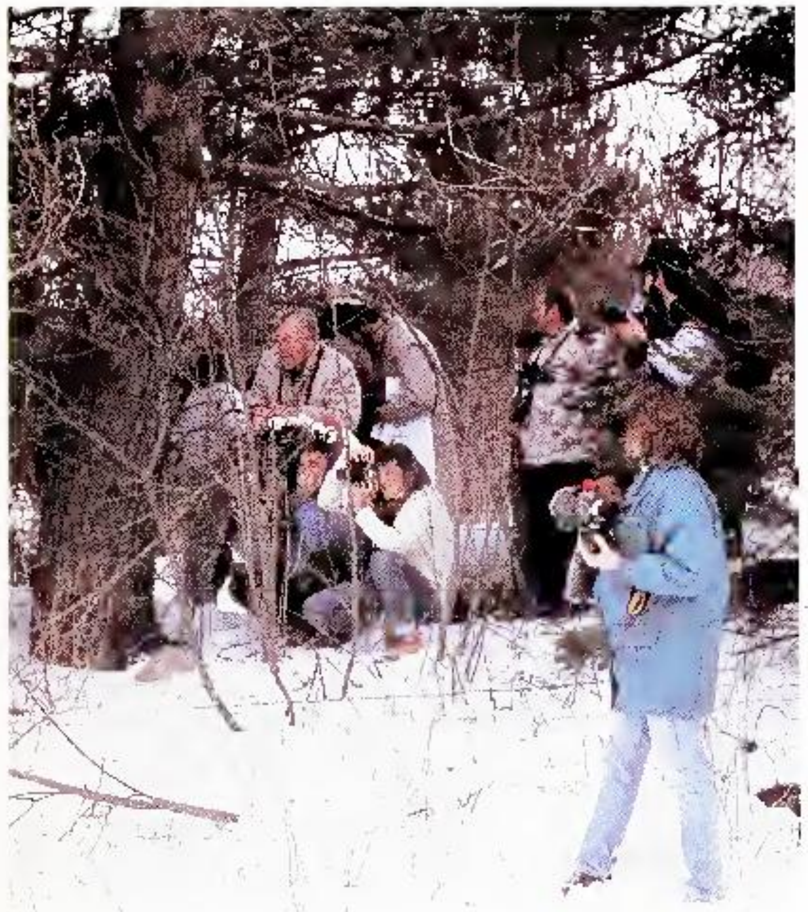


"कल एक आदमी एक बहुत बड़े टेलीफ़ोटो लेंस और बाकी सब चीज़ों के साथ आया था, तुम्हें पता है। वह तस्वीरें ले रहा था और फिर उसने कहा, 'यार, कितना बेवकूफ़ सा दिखने वाला मूस है' और मैंने कहा, 'अच्छा, सुनो यार, तुम यहाँ तक आने के लिए कितनी दूर गाड़ी चलाकर आए हो? तुम उसे देखने आए थे। वह तुम्हें देखने नीचे नहीं आया।' तो मेरा मतलब है, इससे शायद तुम्हें कुछ पता चल जाएगा।"—लैरी



"इतने सारे लोग आए, मैंने कभी किसी को निराश होते नहीं सुना। वे कहते थे, मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि वह इतना करीब होगा और इतना विनम्र होगा। मैं इस बात पर यकीन नहीं कर पा रही कि वह इतना करीब कैसे है और किसी को चोट नहीं पहुँचाता।"—लीला





"बहुत से लोग, खासकर बुजुर्ग, जो आते हैं, कहते हैं, 'अरे, मैं अस्सी साल का हूँ या पैंसठ साल का, और मुझे अपने जीवन में कभी इतनी दूर से मूस देखने का मौका नहीं मिला।' बहुत से लोग कहते थे, 'आप जानते हैं, हम हत्याओं से तंग आ चुके हैं और हम राजनीति और बंधकों से भी। यह बिल्कुल सही समय पर आया है, और इसने निश्चित रूप से ढेर सारा प्यार दिया है।"—लैरी



लैरी और लीला को दुनिया भर के बच्चों और बड़ों से पत्र मिले। कई पत्र अनोखे ढंग से लिखे गए थे: द मूस फार्म, शूज़बरी, वर्मोंट या द फार्मर एंड द मूस, श्रूज़बरी, वर्मोंट। कुछ ने लैरी को बताया कि कई साल पहले, मूस मेन या मोंटाना में उनके फार्मों पर आए थे। सभी ने लैरी और लीला को मूस के प्रति इतनी दयालुता दिखाने के लिए धन्यवाद दिया।

लैरी और लीला ने मूस के प्रजनन काल के अंत के लिए खुद को तैयार करने की कोशिश की। वे जानते थे कि वह अपने सींग गिरा देगा और फिर शायद चला जाएगा। चार्ल्स विली ने उन्हें बताया था कि जब जब मूस के सींग गिर जाते हैं, तो वे स्वयं को असहाय महसूस करते हैं और शेष शीतकाल के लिए जंगल में चले जाते हैं।

लैरी की छुट्टी सोमवार, 5 जनवरी को खत्म हो गई। मूस के वहाँ रहते हुए वह काम पर लौटने को लेकर आशंकित था। मूस के आने के बाद से, लैरी ने शायद ही कभी खेत से बाहर निकला था। वह हमेशा शहर जाने से पहले मूस के शांत होने का इंतज़ार करता था। "मैं उसके लेटने का इंतज़ार करता और फिर सोचता कि कोई उसे परेशान नहीं करेगा, इसलिए मैं शहर भाग जाता।"

ज़्यादातर बार जब लैरी वापस आता, तो लीला रिपोर्ट करती, "तुम्हारे जाते ही वह भाग गया, और तुम्हारे लौटने से कुछ मिनट पहले ही लौटा।" हालाँकि यह अजीब लगता था कि लैरी के जाते ही मूस गायब हो जाता और उसके लौटने से ठीक पहले फिर से प्रकट हो जाता, लेकिन ऐसा हुआ। लैरी का मानना था कि मूस उसके न होने पर सुरक्षित महसूस नहीं करता।

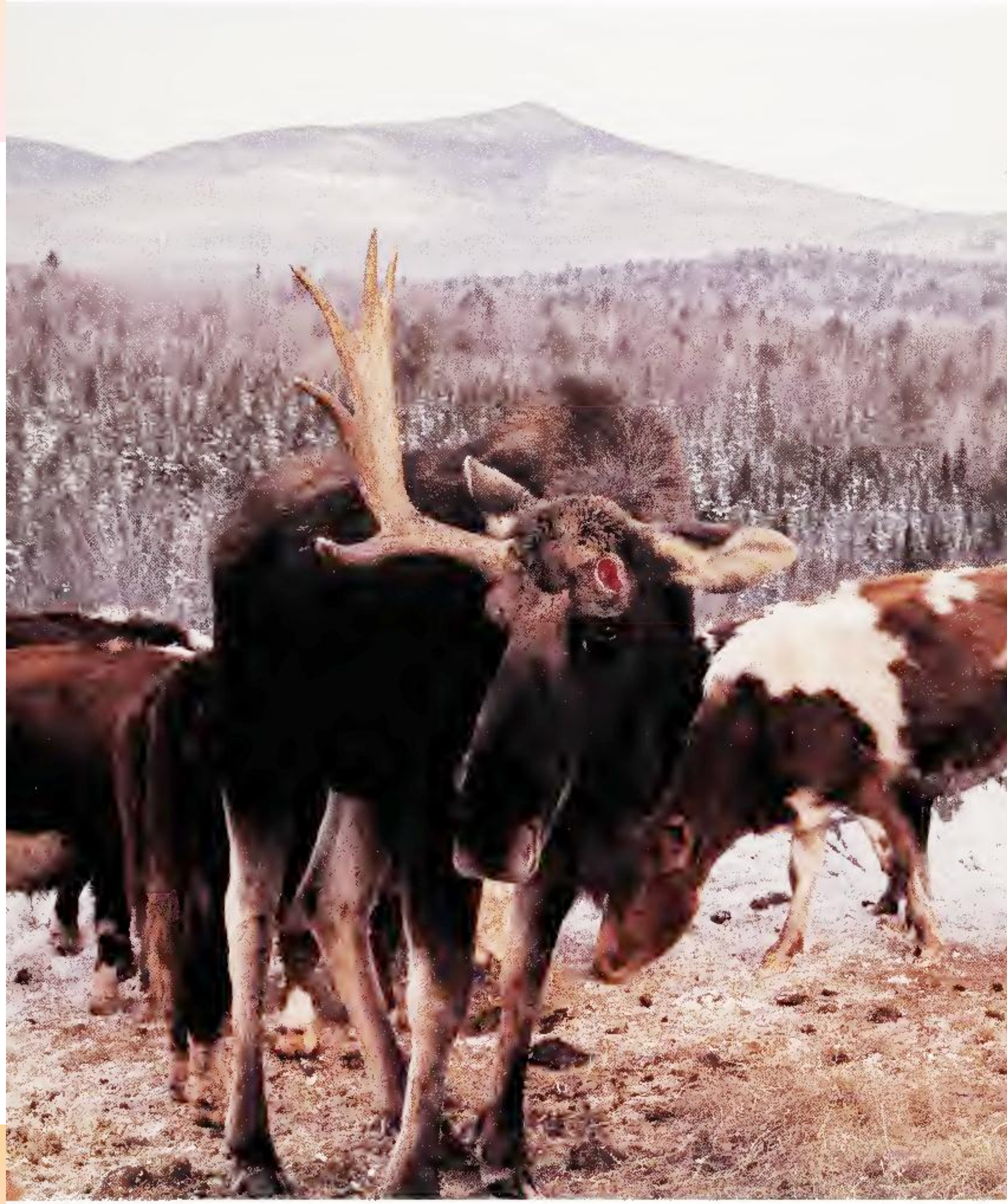
अनिच्छा से, लैरी काम पर वापस चला गया। उस सुबह लगभग साढ़े नौ बजे, लीला के देखते-देखते, मूस जंगल में चला गया, लेकिन वह दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे, लैरी के घर आने से ठीक पहले, वापस आ गया।

मूस मवेशियों के साथ रहा, शाम को उनके साथ लेटा रहा। आखिरकार वह उन्हें छोड़कर घर के ठीक बगल में लेट गया, ऐसा उसने पहले कभी नहीं किया था। जब लैरी सोने गया, तब भी वह वहीं था। मंगलवार को भी उसका यही हाल रहा।

बुधवार को भी मूस फिर जंगल में भागा। देर सुबह लैरी को काम पर एक फ़ोन आया। लीला और उसके भतीजे का फ़ोन था। "क्या तुम घर आ सकते हो? अभी? मूस वापस आ गया है और उसका एक सींग गायब है!"



लैरी जल्दी से घर चला गया। मूस मवेशियों के साथ चरागाह में था और उनकी ओर घास फेंक रहा था। कार्सन और जेसिका उसके बगल में थे। उसका सिर टेढ़ा-मेढ़ा लग रहा था, एक तरफ एक लंबा, आलीशान सींग और दूसरी तरफ एक कच्चा लाल धब्बा। हालाँकि लैरी जानता था कि सींग उतारना चाहिए, फिर भी उसे लगा कि मूस शर्मिंदा लग रहा है, मानो उसका अभिमान कम हो गया हो और वह पहले जैसा शक्तिशाली और महान महसूस नहीं कर रहा हो।



लैरी मवेशियों के लिए और चारा डालने चरागाह में गया, तो मूस कुछ कदम पीछे-पीछे चल रहा था। लैरी जहाँ भी जाता, "मूस मेरे पैरों के निशान को सूंघ लेता और उसी पर चल पड़ता। मतलब, आमतौर पर मैं उसके पैरों के निशान पर चलता था, जानते हो; वो और मैं दो अलग-अलग लोग थे। लेकिन इस आखिरी दिन, वो और मैं साथ थे। वो मेरे पैरों के निशान पर चला और मेरे पीछे-पीछे चला।" लैरी को लगा कि शायद वो रात मूस को देखने की आखिरी रात होगी। उसने सोचा, "क्या वो मुझसे कुछ कहना चाह रहा है... बताओ, बस इतना ही।"

मूस उससे बस एक कदम पीछे था जब लैरी ने मुड़कर देखा। लैरी ने सोचा, "क्या वो चाहता है कि मैं उसे छू लूँ? या बस यूँ ही अलविदा कह दूँ, जैसे मैं हमेशा रात को करता हूँ?" रात में अपनी बातचीत के दौरान लैरी कुछ इस तरह की बातें करता था, "आज यहाँ बहुत सारे लोग थे। तुमने ये किया या वो किया। क्या तुमने फलां पर ध्यान दिया?" कभी-कभी वो खुद से कहता, "मैं इस मूस से इस तरह बात क्यों कर रहा हूँ?" लेकिन ये सब स्वाभाविक लग रहा था।

मूस के पूरे प्रवास के दौरान, लैरी को ऐसा लगा कि लोग लाखों बार पूछेंगे, "क्या तुमने उसे छुआ है?" और वह कहता, "नहीं, मैंने उसे नहीं छुआ।" और वे पूछते, "क्यों?" लैरी जवाब देता, "उसके थोड़े से जंगलीपन के कारण।" वे कहते, "देखो, वह एक पालतू जानवर है।" लैरी सहमत नहीं होता। "ज़ाहिर है उसे यहाँ अच्छा लग रहा है, लेकिन वह अभी भी जंगली है और वह ऐसे ही रहेगा।" और वे कहते, "अच्छा, उसे छूने वाले अकेले व्यक्ति होने के नाते, तुम उसे क्यों नहीं छूते?" लैरी जवाब देता, "वह अब किसी से बहुत ही निडर हो गया है, और लोग उसे परेशान नहीं करते वगैरह। लेकिन उसका यह थोड़ा सा जंगलीपन, मैं उसे उससे नहीं छीनूँगा।"

लीला को हमेशा चिंता रहती थी कि मूस लैरी को चोट पहुँचाने के लिए कुछ करेगा, लेकिन लैरी ने उससे कहा था, "मुझे पता है कि वह मुझे कभी नुकसान नहीं पहुँचाएगा। उसे कई मौके मिले हैं। दुनिया में ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं उसे कभी नुकसान पहुँचा सकूँ, और मुझे लगता है कि वह यह जानता है। कभी-कभी जंगली जानवरों में इंसानों से भी ज़्यादा समझ होती है।"

लैरी मूस से एक कदम दूर खड़ा था, और सुबह-शाम की उनकी बातों और उनके बीच पनपे विश्वास के बारे में सोच रहा था। उसने उसे छुआ तक नहीं।

उस रात, मूस हमेशा की तरह जेसिका और दूसरे मवेशियों के साथ लेटा रहा। बाद में वह घर के पास, बरामदे के पास, चला गया। लैरी ने पूरी रात जागने की कोशिश की, लेकिन वह सो गया। जब उसकी आँख खुली, तो मूस बरामदे के पास नहीं था, और लैरी उसे चरागाह में नहीं देख पाया। काम पर जाने से पहले, उसने ढूँढा, लेकिन वह नहीं मिला। लैरी चला गया, मूस के लौटने की उम्मीद नहीं कर रहा था, फिर भी उम्मीद कर रहा था कि वह लौट सकता है।

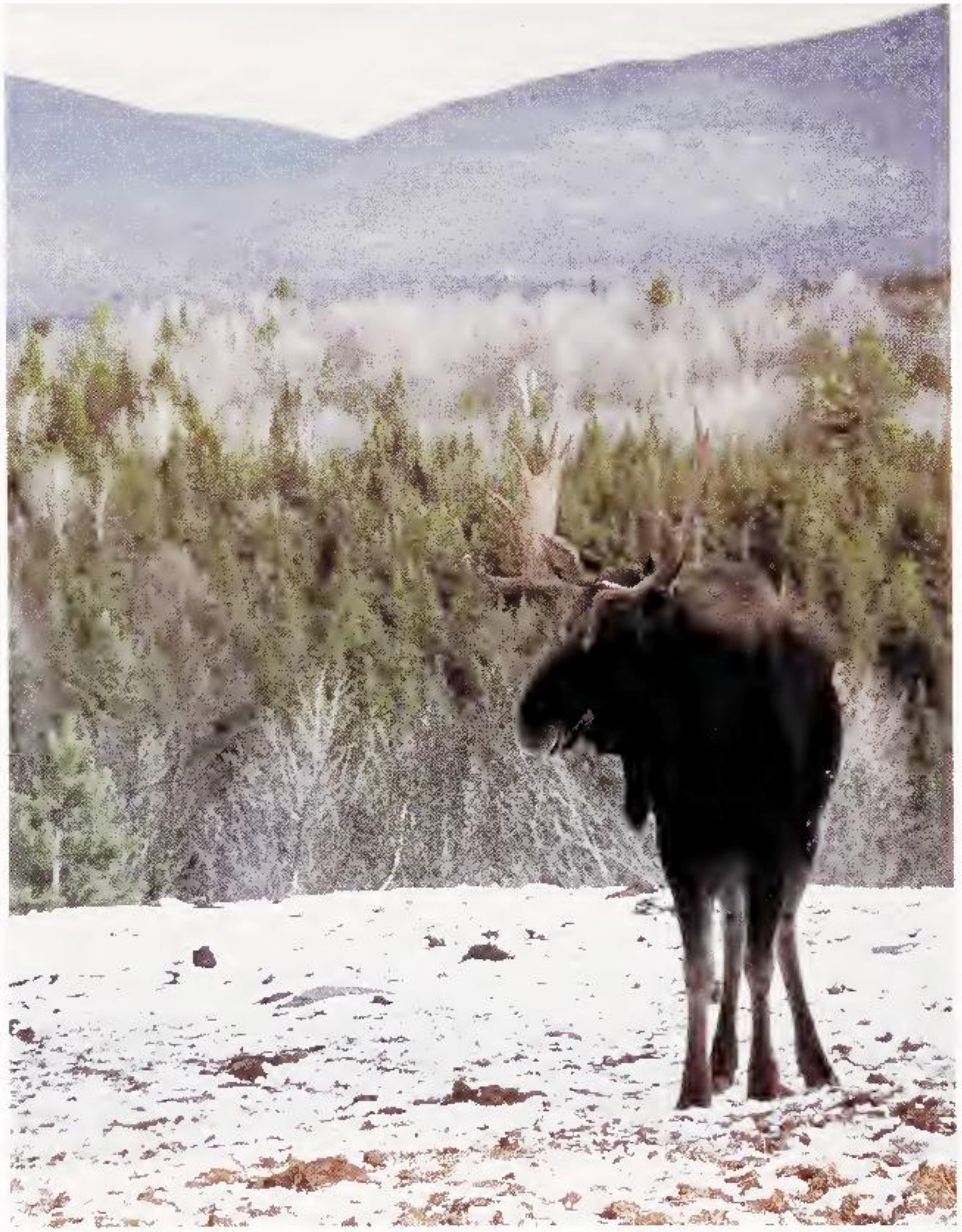
सुबह करीब दस बजे, लीला को एक पड़ोसी का फ़ोन आया जो एक मील दूर रहता था। मूस उस सुबह उसके बाड़े से गुज़रा था और लैरी के खेत के पूर्व में, साल्ट ऐश माउंटेन की ओर जा रहा था। दोनों सींग गायब थे, और वह सीधे आगे बढ़ रहा था, मानो उसे पता हो कि वह कहाँ जा रहा है।

अब तक, मूस वापस नहीं लौटा है। वह कैरारा माउंटेन पर छिहत्तर दिन रहा। मिस्टर गैलस और मिस्टर विली का मानना है कि उसने सर्दियाँ लैरी के खेत से कुछ मील की दूरी पर, ऊँचे पहाड़ों में बिताईं। कोई नहीं जानता कि उसके सींग वापस उग आने और उसकी संभोग प्रवृत्ति फिर से प्रबल होने के बाद वह वापस आएगा या नहीं। मूस को दिशा का अच्छा ज्ञान होता है, इसलिए अगर वह चाहे तो वापस आने का रास्ता ढूँढ़ सकता है।

कोई नहीं जानता कि जेसिका को उसकी याद आती है या नहीं। वह बाकी मवेशियों से थोड़ी दूर रहती है, लेकिन बाकी सब कुछ वैसा ही है जैसा वह हमेशा से शांत स्वभाव का है, मानो घास चबाने और जुगाली करने में संतुष्ट हो।

लैरी और लीला को हर सुबह मूस को देखने की याद आती है। उन्हें लोगों की भीड़ की भी याद आती है, हालाँकि उन्हें अभी भी दुनिया भर से कार्ड और पत्र मिल रहे हैं, जिनमें उन्हें "मूस के प्रति उनकी दयालुता... और सभी आगंतुकों का स्वागत करने में उस दयालुता को बढ़ाने" के लिए धन्यवाद दिया गया है।

उन्होंने खुद से कई बार पूछा है, "वह हमारे पास क्यों आया? यहाँ क्यों?" उनके बच्चों ने शायद सबसे अच्छा जवाब दिया। लीला ने कहा, "बच्चों ने कहा कि हमें संगति पसंद है, इसलिए उसने यह घर चुना।"



लैरी और लीला पतझड़ में मूस की तलाश करेंगे। उन्हें चिंता है कि क्या उसके सींग फिर से उग आएंगे और एक "उंगली" नीचे की ओर इशारा करेगी, और उन्हें उम्मीद है कि उसकी दाहिनी आँख के ऊपर का छोटा सा निशान अभी भी वहाँ होगा। इस तरह वे निश्चिंत हो सकते हैं।

NSTA-CBC बच्चों के लिए उत्कृष्ट विज्ञान व्यापार पुस्तक प्रकाशकों द्वारा वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों में से साप्ताहिक चयन यह वह कहानी है जिसने सुर्खियाँ बटोरीं और दुनिया भर के दिलों पर कब्ज़ा कर लिया—एक मूस की कहानी जो वर्मोंट के जंगलों से निकला और जेसिका नाम की एक हियरफोर्ड गाय के प्यार में पड़ गया।

♦ "अनोखा, आकर्षक और आनंददायक।" किर्कस रिव्यूज़ (नुकीला)

♦ "एक मज़ेदार और मार्मिक किताब, जो प्रकृति के प्रति श्रद्धा से भरी है।" स्कूल लाइब्रेरी जर्नल "पैट ए. वेकफील्ड के सरल, बुद्धिमान लेखन और अद्भुत तस्वीरों की बदौलत इस शांत, सरल कहानी में विश्वसनीयता का जादू है।" *न्यू यॉर्क टाइम्स बुक रिव्यू*

